जीवन विज्ञान लेख प्रतियोगिता पुरस्कार वितरित

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में हैं खामियां - युवाचार्य महाश्रमण

मोमासर 16 अप्रेल : अज्ञान का अंधकार जीवन के लिए अभिशाप है । इस अंधकार को दूर करने के लिए शिक्षा जरूरी है । समाज और सरकार इस और जागरूक है परन्तु वर्तमान शिक्षा प्रणाली में कुछ खामियां है । आचार्य महाप्रज्ञजी ने इस ओर ध्यान दिया और जीवन विज्ञान के रूप में शिक्षा जगत को एक महत्वपूर्ण अवधान प्रदान किया । जीवन विज्ञान में कलात्मक विकास पर बल दिया गया है इसमें केवल सैद्धान्तिक शिक्षा ही नहीं प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है ।

उक्त विचार युवाचार्य महाश्रमण ने नित्य प्रवचन में जीवन विज्ञान लेख प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये । अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित इस लेख प्रतियोगिता का आयोजन जीवन विज्ञान अकादमी लाडनूं के द्वारा किया गया एवं भोजराज धनराज पटावरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए । युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि भुगोल, खगोल गणित आदि लौकिक विद्या है । जीवन विज्ञान अलौलिक विद्या, आध्यात्म विद्या से जुडी हुई शिक्षा है । जीवन विज्ञान शिक्षा के साथ जुडे इस बात की अपेक्षा है ।

उन्होने वर्ण व्यवस्था पर गीता में विश्लेषण को प्रस्तुत करते हुए कहा कि जो इन्द्रियों का नियमन करता है, क्षमा, ऋजुता की साधना एवं ज्ञान विज्ञान की आराधना करता है वह ब्राहमण कहलाने का अधिकारी होता है । जन्मना ब्राहमण कहलाना एक बात है और कर्म से ब्राहमण होना अलग बात है । उन्होने कहा कि केवल ऊ का जप करने से कोई ब्राहमण नहीं बनता । ब्राहमण को गीता की इन बातों पर ध्यान देना चाहिए ।

मुनि किशनलाल ने कहा कि जीवन विज्ञान वह उपक्रम है जिससे हम स्वस्थ, शांतिपूर्वक एवं आनन्द के साथ जीवन जी सकते हैं । वर्तमान में शिक्षा का केवल आजीविका पर ध्यान जा रहा है । जीवन की शिक्षा नहीं दी जा रही है । जीवन विज्ञान कलात्मक जीवन जीने का तरीका है । केन्द्रीय जीवन विज्ञान अकादमी के पूर्व निदेशक सुन्दरलाल माथुर, सहायक निदेशक अंशुमानसिंह, भोजराज धनराज पटावरी जनकल्याण ट्रस्ट के ट्रस्टी कन्हैयालाल पटावरी, प्रतियोगिता के प्रथम विजेता राजेश नाहटा, तृतीय विजेता रतनलाल जैन सात्वनां पुरस्कार प्राप्तकर्ता बृजेशनंद शर्मा, नोरतनमल सुराना, मोतीलाल संचेती ने अपने विचार रखे । मुनि नीरज कुमार ने मंगलाचरण किया । पटावरी ट्रस्ट की और से सभी विजेताओं को ट्राफी, प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशी कन्हैयालाल पटावरी,कमल पटावरी ने प्रदान की । कार्यक्रम का संचालन प्रदीप संचेती ने किया ।